जोधपुर बंदियों का छोड़ा जाना

847. **श्री राम जेठमलानी :**
सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :

क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि जून, 1984 में स्वर्ण मंदिर में "आपरेशन ब्लू स्टार" के दौरान गिरफ्तार किये गये बंदियों में से कुछ को प्रधान मंत्री की पंजाब यात्रा के समय सितम्बर, 1988 में जोधपुर जेल से छोड़ा गया था ;

(ख) यदि हां, तो जोधपुर जेल में कुल कितने बंदी थे और उनमें से कितनों को छोड़ा गया ;

(ग) क्या यह भी सच है कि ऐसे छोड़े गये बंदियों को निर्दोष पाया गया ;

(घ) यदि हां, तो क्या सरकार ने छोड़े गये इन बंदियों के, जिन्होंने चार वर्ष जेल में अनावश्यक यातनाएं सही, पुनर्वास के लिए कोई व्यवस्था की है ; और

(ङ) यदि भाग (घ) का उत्तर "ना" हो, तो उनके लिए ऐसी व्यवस्था न किये जाने के क्या कारण हैं ?

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी० चिदम्बरम्) : (क) और (ख) जोधपुर जेल में बन्द किए गए 326 व्यक्तियों में से 126 विचाराधीन कैदियों को 20-9-1988 को छोड़ दिया गया था ।

(ग) जी नहीं, श्रीमान ।

(घ) प्रश्न नहीं उठता ।

(ङ) प्रश्न नही उठता ।

पंजाब में आतंकवादी गतिविधियों के लिए निरुद्ध किये गये व्यक्ति

848. **सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :** क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि आतंकवादी गतिविधियों मे लिप्त होने के आरोप में भारी संख्या में लोगों को पंजाब में निरुद्ध किया जा रहा है ;

(ख) यदि हा, तो 30 सितम्बर, 1988 की स्थिति के अनुसार ऐसे बंदियों की कुल संख्या कितनी है ; और

(ग) उपर्युक्त बंदियों में से ऐसे बंदियों की संख्या कितनी है जिन के विरुद्ध अब तक मुकदमें नहीं चलाए गए है, जबकि वे गत छह महीनों या इससे अधिक समय से जेलों में हैं ?

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी० चिदम्बरम्) : (क) पंजाब में आतंकवादी गतिविधियों में अन्तर्ग्रस्त होने के कारण अनेक व्यक्तियों को हिरासत में लिया गया है ।

(ख) और (ग) सूचना एकत्र की जा रही है और सभा पटल पर रख दी जाएगी ।

Development of Cotton Spinning Industry in Madhya Pradesh

849. SHRI AJIT P. K. JOGI: Will the Minister of TEXTILES be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the development of cotton spinning industry in Madhya Pradesh has not kept pace with the increasing availability of cotton in the State as the spindlage capacity in the State is only 3 per cent of the total spindlage capacity available in the country whereas the cotton production is around 7 to 12 per cent.